सरस्वती महिला महाविद्यालय,पलवल

संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित

निदेशक उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा (डी जी एच ई) द्वारा अनुमोदित

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

27 फरवरी 2024

विषय: आधुनिक वैश्विक संदर्भ में रामायण का महत्व

महाविद्यालय के विषय में:–

सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल जिले का एक विकसित व उच्च स्तरीय संस्थान है इसकी स्थापना 1988 में की गई थी। यह महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा) से संबद्व है। सरस्वती महिला महाविद्यालय पलवल शैक्षिणक सांस्कृतिक एंव आदि क्षेत्रों में अपने श्रेष्ठ परिणामों के कारण हरियाणा राज्य के सभी महाविद्यालयों में एक विशेष स्थान रखता है। संस्थान में अभी 26 कोर्स संचालित है व महाविद्यालय में लगभग 3000 छात्राए शिक्षा प्राप्त कर रहीं है। इस महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी छात्राएं उत्कृष्ट स्थानो पर रहीं है व एक समृद्व पुस्तकालय जिसमें लगभग 20,000 पुस्तकें,13 अखबार, 25 जर्नल्स, 20 पत्रिकाएं से सुसज्जति है।

विशेष वक्ता

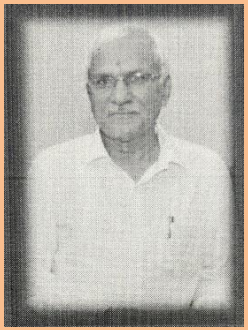

प्रो०(डॉ0) बलदेव मेहरा
भूतपूर्व अधिष्ठाता एंव संस्कृत
विभागाध्यक्ष महर्षि दयानन्द
विश्वविद्यालय रोहतक

डॉ0 पशुपति नाथ मिश्र
प्राचार्य, संस्कृत विद्यापीठ
बघौला,पलवल।

प्रो0 (डॉ0) पवन कुमार शर्मा
प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
चौधरी चरणसिंह
विश्वविद्यालय मेरठ

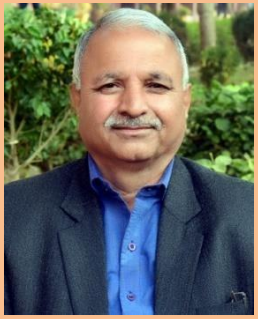

डॉ0 केशवदेव शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
जी0जी0डी0 एस डी
कॉलेज, पलवल

राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय

'आधुनिक वैश्विक संदर्भ में रामायण का महत्व'

रामायण ही एक ऐसा ग्रन्थ है जिसके पात्र देवता न होकर मनुष्य हैं। रामायण के पात्र साधारण मनुष्यों की भांति विभिन्न प्रकार की भावनाओं से युक्त हैं। वे जहॉ दुख में दुखी व सुख में सुखी होते है, वहीं दशरथ का आदर्श पितृत्व, कौशल्या का मातृत्व , सीता का सतीत्व भरत का भ्रातृत्व , सुग्रीव का बन्धुत्व और श्री राम का आदर्श पुत्रत्व भारतीय समाज के आदर्शों को समझाते हुए मानव मन में नैतिकता के रोपण को बढाते हैं। साथ ही एक सशक्त व मानवीय मूल्यों को समझने वाले समाज की ओर अग्रसर करते हैं।

उद्देश्यः–

इसमे तनिक भी संदेह नही है कि वर्तमान समय में जब सर्वत्र हाहाकार मचा हुआ है सारा संसार दुःख एवं अशान्ति की भीषण ज्वाला में जल रहा है। जगत के कोने–कोने में मारकाट मची हुई है और प्रतिदिन हजारों मनुष्यों का संहार हो रहा हैं। करोडों अरबों की सम्पत्ति एक दूसरे के विनाश के लिए खर्च की जा रही है। विज्ञान की सारी शक्तियां पृथ्वी को श्मशान के रूप में परिवर्तित करने में लगी हुई हैं। संसार का बड़े से बडा मस्तिष्क संहार के नये–नये साधनों को ढूंढ निकालने मे व्यस्त है। ऐसे में रामायण लोगों को नैतिकता व आपसी प्रेम की ओर अग्रसर करेगी।

उपविषयः–

- युवावर्ग के विकास में रामायण की भूमिका
- आधुनिक वैश्विक संदर्भ में नैतिक उत्थान में रामायण की भूमिका
- सामाजिक विकास में रामायण का योगदान
- राजनैतिक विकास में रामायण का योगदान
- रामायण में आर्थिक विकास आधार
- नारी सशक्तिकरणः रामायण के परिप्रेक्ष्य में
- धर्म एंव दर्शन की आधार शिला रामायण

संयोजन समितिः—

1. मुख्य संरक्षक : श्री अतुल मंगला, प्रधान
   अतिरिक्त महाधिवक्ता, हरियाणा

2. संरक्षक : प्रो0 डॉ0 वंदना त्यागी, प्राचार्या
3. संयोजक : डॉ0 अनिता कौशिक
4. सचिव : डॉ0 अमरवती
5. सम्पर्क सूत्र : 8053288180 / 9466667944 / sanskritdepartment72@gmail.com
6. सलाहकार समिति :

प्रो0 डॉ बलदेव मेहरा
भूतपूर्व अधिष्ठाता एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष
एम डी यू, रोहतक

प्रो0 डॉ0 पवन कुमार शर्मा
प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान
सी एस सी विश्वविद्यालय, मेरठ

प्रो0 डॉ0 पशुपति नाथ मिश्रा, प्राचार्य
संस्कृत विद्यापीठ, बघौला, पलवल

प्रो0 डॉ0 तरूण गर्ग
गणित विभागाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली

डॉ0 केशवदेव शर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
जी जी डी एस डी, कॉलेज, पलवल

डॉ0 प्रोमिला भारद्वाज
वाणिज्य विभागाध्यक्ष, सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल

डॉ0 रानी देवी, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष
सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल

शोध पत्र की प्रस्तुति के लिए दिशानिर्देशः–

शोधपत्र का सार – अधिकतम 300 शब्द (प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10.02.2024)

शोधपत्र – अधिकतम 4500 शब्द (प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20.02.2024)

अपना शोधसार व शोधपत्र में सिंगल स्पेस, शीर्षक– 18 तथा विषयवस्तु 16 फोन्ट साईज में टाईप कराकर सीडी में तथा ए– 4 साईज कागज में टंकित अधिकतम 20 फरवरी 2024 तक अवश्य भेज दें। शोधपत्र की अप्रकाशित, स्वरचित मूल प्रति ई–मेल द्वारा sanskritdeparment72@gmail.com पर भेज सकते है। निर्धारित तिथि तक प्राप्त शोधपत्रों को ही संगोष्ठी में सम्मिलित किया जा सकेगा।

पंजीकरण शुल्क–शिक्षाविद्	500रू प्रति प्रतिभागी
शोध छात्र	300रू प्रति प्रतिभागी
छात्र	200 रू प्रति छात्र
यदि शोधपत्र ऑनलाईन प्रस्तुत किया	जाता है तो प्रमाण पत्र के लिए 100रू अतिरिक्त डाकखर्च देना होगा।
संगोष्ठी स्थल	सरस्वती महिला महाविद्यालय, सेमिनार हॉल द्वितीय तल

Payment Mode for Registration Fee:-

Google Pay : 8168743412

UPI ID : hemlata501-1@oksbi

QR Code :

Registration Link:
https://forms.gle/XyrhSuX3DCpEmEjZ9